विश्व हिन्दी सम्मेलन

9th

एस. एम. कृष्णा
S. M. KRISHNA

सत्यमेव जयते

विदेश मंत्री, भारत
MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS
INDIA

संदेश

भाषा एक ऐसा कैन्वस है जो किसी समाज के साहित्य, मूल्यों, संस्कृति तथा संपूर्ण जीवनशैली का समग्र चित्रण प्रस्तुत करती है। यह प्राचीन तथा आधुनिक के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का भी काम करती है। अपने इतिहास तथा समृद्ध स्वरूप के आधार पर हिंदी भाषा इन सांस्कृतिक विशेषताओं का प्रतीक है।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे त्वरित विकास के कारण भाषाओं को स्वयं को उसके अनुरूप ढालने की भी आवश्यकता हो रही है और यह हिंदी की अंतर्निहित शक्ति एवं दक्षता का ही प्रमाण है कि यह सूचना एवं प्रौद्योगिकी की भाषा के रूप में उभरी है। अतः इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि हिंदी तेजी से एक महत्वपूर्ण वैश्विक भाषा के रूप में उभर रही है।

आज, विश्व भर में हिंदी सौ से भी अधिक विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं में पढ़ाई जा रही है। विदेशी हमेशा से ही भारतीय संस्कृति तथा भाषाओं में रुचि लेते रहे हैं। विश्व पटल पर हिंदी के आविर्भाव के साथ ही अधिक से अधिक विदेशी छात्र तथा कारोबारी हिंदी सीखने का प्रयास कर रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा 9वां विश्व हिंदी सम्मेलन भारतीय तथा विदेशी विद्वानों को हिंदी भाषा के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

इस सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।

(एस. एम. कृष्णा)